[पटना] गुरुवार, 9 मई 2024 । मूल्य 5.00, कुल पृष्ठ 4 | वर्ष: 5, अंक: 124 | www.bordernewsmirror@gmail.com | 9471060219, 9470050309

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

{ अनमोल वचन }

जैसे जैसे आपका विश्वास मजबूत होता जाता है, आपका संदेह खत्म होता जाता है।

- गौर गोपाल दास

भारत-नेपाल सीमा के पानी टंकी ... 3 | www.bordernewsmirror.com | 3 प्रधानमंत्री मोदी 12 मई को बिहार

अडानी-अंबानी ने कांग्रेस को पैसा भेजा है तो ईडी-सीबीआई से जांच कराएं : राहुल गांधी

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को 'अंबानी-अडानी के साथ डील' वाले तंज को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार किया है। राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दी कि अगर अडानी-अंबानी ने कांग्रेस को पैसा भेजा है तो वह ईडी और सीबीआई से जांच कराएं। राहुल गांधी ने एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने कहा कि पैसे टैम्पो में भेजे गए थे। मोदी जी, क्या यह आपका व्यक्तिगत अनुभव है। उन्होंने कहा कि भाजपा के भ्रष्टाचार के टेम्पो का 'ड्राइवर' और 'खलासी' कौन है, यह देश जानता है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'नमस्कार मोदी जी, थोड़ा सा घबरा गये क्या? आमतौर पर आप बंद दरवाजे के पीछे अंबानी, अडानी के बारे में बात करते हैं। पहली बार आपने सार्वजनिक रूप से 'अंबानी', 'अडानी' का नाम लिया है। उन्होंने कहा कि आपको ये भी मालूम है कि ये लोग टेम्पो में पैसा देते हैं। क्या यह आपका निजी अनुभव है? एक काम कीजिए सीबीआई-ईडी को इनके पास भेजिए, पूरी जानकारी निकालिए और जल्द से जल्द इसकी जांच कराइये। घबराइये मत मोदी जी राहुल ने कहा कि जितना पैसा नरेन्द्र मोदी जी ने इनको दिया है न उतना ही पैसा हम हिन्दुस्तान के गरीब लोगों को देने जा रहे हैं। महालक्ष्मी योजना और पहली नौकरी पक्की योजना इन योजनाओं के माध्यम से करोड़ों लाखपति बनाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि इन्होंने 22 अरबपति बनाए हैं और हम करोड़ों लाखपति बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तेलंगाना के करीमनगर में एक चुनावी जनसभा में कांग्रेस के दोहरे चरित्र पर तीखा हमला बोलते हुए सवाल किया कि महज पांच साल पहले वे अंबानी और अडानी के प्रति आसक्त थे। हालांकि, रातों-रात उनका नजरिया बदल गया है और अब वे उनके बारे में चुप रहते हैं। उन्होंने सवाल किया, 'इस अचानक बदलाव के पीछे क्या कारण हो सकता है? यह पाखंड कहां तक जाएगा? उन्हें अडानी, अंबानी से कितना काला धन मिला है?'

नही बदली उन्नाव की सूरत, अब जनता इनको बदल देगी:अशोक पांडेय

सुमेरपुर

बुधवार को हरदोई जनपद के माधव गंज में आयोजित बसपा सुप्रीमो मायावती की रैली से सैकडों समर्थकों के साथ वापस हो रहे उन्नाव लोकसभा के बसपा प्रत्याशी अशोक पांडेय का बांगरमऊ में समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत के बाद बांगरमऊ, सफीपुर में जनसंपर्क कर बसपा प्रत्याशी ने समर्थन मांगा। उन्होने कहा कि मौजूदा सांसद दस साल में उन्नाव के दस गांवों की भी सूरत नही बदल सके हैं। इस बार जनता इनको बदल देगी। उन्नाव के विकास की बात न कर मंदिर मस्जिद व धर्म के नाम पर वोट मांगने वाले सांसद ने उन्नाव में कभी विकास की बात नही की। न ही उन्नाव के विकास की उन्हे चिंता रही। बीस साल से उन्नाव बेहाल है। इस बार उन्नाव के लोगों को एक जुट होकर बसपा को वोट कर उन्नाव की अस्मिता को बचाना होगा। उन्नाव की पीडा उन्नाव का निवासी ही समझ सकता है। जनता ने उन्हे अपना आशीर्वाद दिया तो वह उन्नाव को बदहाली के दलदल से बाहर निकालेंगे। इस दौरान उनके साथ बसपा जिलाध्यक्ष रामविलास गौतम, मूलचंद लोधी, अंकित सिंह, यूनुस मोहम्मद, रणबीर यादव, राममोहन मिश्रा आदि समर्थक मौजूद रहे।

बीते 10 वर्षों में केंद्र की मोदी सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया: तेजस्वी

पलामू (झारखंड)

बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को पलामू जिले के छत्तरपुर उच्च विद्यालय के मैदान में विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा नीत एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 10 वर्षों के शासनकाल में झूठ के सहारे राज किया है। मोदी 2014 में गरीबी और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार में आए लेकिन उन्होंने एक भी वादा पूरा नहीं किया। उनका एकमात्र मकसद हिंदू-मुस्लिम कर देश की सत्ता पर राज करना रह गया है। तेजस्वी ने कहा कि मोदी ने इस बार 400 पार का नारा दिया है, जो महज एक जुमला है। उन्होंने पीएम मोदी के 2014 में दिए गए भाषण के कुछ अंश भी सुनाए और कहा कि इनमें एक भी पूरा नहीं किया गया। मोदी ने सिर्फ लोगों को ठगने का काम किया है। तेजस्वी ने कहा कि यदि केंद्र में उनके गठबंधन की सरकार बनी तो गरीब घर की बेटियों को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये और पांच सौ रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा। साथ ही प्रतिवर्ष एक करोड़ लोगों को नए रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी उनके किए गए वादे के तहत पांच लाख लोगों को बिहार में रोजगार उपलब्ध कराया गया। वह भी सरकारी रोजगार मिला। तेजस्वी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी विरोध में बोलने वालों को सीबीआई और ईडी से डराने की कोशिश करते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झूठे मामलों में जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि उनके विरुद्ध भी 50 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं लेकिन वह लालू प्रसाद यादव के बेटे हैं। ना लालू प्रसाद यादव झुका है और ना लालू का बेटा झुकेगा। साथ ही कहा कि जेल से उन्हें डर लगेगा जो डरते हैं। हमारे तो भगवान ही जेल में पैदा हुए थे। इसलिए हम जेल से नहीं डरते। इस बार चार जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश साहनी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सिर्फ खरीद-फरोख्त में विश्वास रखते हैं और उनके पास अडानी-अंबानी जैसे लोग मौजूद हैं। उनके चार विधायकों को वह खरीद कर बिहार में सरकार में शामिल कर लिए। इस बार पिछड़े और दलित लोगों ने मन बना लिया है कि वे नरेन्द्र मोदी की सरकार को सत्ता से हटा देंगे।

अमित शाह ने कहा- कोरोना के समय अखिलेश और डिम्पल को कन्नौज की याद नहीं आई

नई दिल्ली

अमित शाह ने कहा कि कोरोना के समय अखिलेश यादव और डिम्पल यादव को कन्नौज की याद नहीं आई थी, मगर सुब्रत पाठक ने कन्नौज की जनता के बीच रहकर, लोगों की सेवा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लोगों का निःशुल्क टीकाकरण कर, कोरोना के डर को खत्म करने का काम किया। पहले अखिलेश यादव कोरोना के टीके पर प्रश्न खड़े कर रहे थे, मगर जनता के टीकाकरण करवाने के बाद, अखिलेश यादव ने अपनी पत्नी के साथ जाकर टीकाकरण करवाया। अगर देश और प्रदेश में विपक्ष सत्ता में होती तो लाशों के ढेर लग जाते, मगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को कोरोना से सुरक्षित करने का काम करके दिखाया है। गृहमंत्री ने जनसभा में कहा कि सपा की स्थिति यह है कि उनकी बैठक में ही आपस में लड़ाई होती है। सपा को बाहर से लड़ने वाला कोई नहीं चाहिए, सपा के अंदर ही लड़ाई चल रही है। एक तरफ इंडी गठबंधन के नेता अपने बेटी-बेटों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं, लेकिन दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे किसानों, युवाओं, माताओं और गरीबों का कल्याण करना चाहते हैं। गठबंधन के लोग आतंकवादियों को क्लीन चीट दे रहे हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रदेश की पूर्व सरकारों के दौरान जनता को पलायन करना पड़ता था, लेकिन योगी जी के शासन में माफियाओं को पलायन करना पड़ रहा है। केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गन्ना किसानों के भुगतान को समय से करना प्रारंभ किया है। अमित शाह ने कन्नौज की जनता से अपील की कि नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है और देश को दुनिया में नंबर 1 बनाना है। चाहे जी20 हो, चंद्रयान को दक्षिण ध्रुव पर भेजना हो,सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक करना हो, उत्तर प्रदेश में एयरपोर्ट और एक्स्प्रेस वे का जाल बिछाना हो,सिंचाई की बढ़ोतरी करनी हो और करोड़ों गरीबों के जीवन में नया विश्वास पैदा करना हो यह काम केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उत्तर प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, यूपी कैबिनेट मंत्री जेपीएस राठौर और कन्नोज से लोकसभा प्रत्याशी सुब्रत पाठक समेत अन्य नेता उपस्थित रहे।

भारत-नेपाल सीमा के पानी टंकी से अमेरिकी मां-बेटी समेत एक भारतीय गिरफ्तार

किशनगंज

एक विदेशी महिला प्यार के लिए अपने 11 वर्षीय बेटी को लेकर भारत आ गई। प्यार में गजब की ताकत होती है। इसका अहसास केवल प्यार करने वालों को ही होता है। भारत-नेपाल सीमा के पानीटंकी से एक ऐसी ही अनोखी प्यार की कहानी सामने आई है। विदेशी महिला का नाम नैना काला पौडेल है और उसके 11 वर्षीय बेटी का नाम यूनिस बिस्वा हैं। ये दोनों अमेरिका के रहने वाले हैं। दरअसल नैना काला पौडेल की फेसबुक पर एक भारतीय नागरिक नीमा तमांग से मुलाकात हुई। देखते ही देखते उसे फेसबुक पर एक-दूसरे से प्यार हो गया। इसके बाद दोनों का प्यार परवान चढ़ने लगा और दोनों को एक दूसरे की जुदाई नहीं सही गई और दोनों ने एक-दूसरे से शादी करने का मन बना लिया। नैना अपनी बेटी के साथ नीमा तमांग से शादी करने के लिए हवाई मार्ग से 19 मार्च 2024 को अमेरिका से न्यूयॉर्क और फिर नई दिल्ली पहुंची। यहां वह दो दिन रुकने के बाद 21 मार्च 2024 को नई दिल्ली से बागडोगरा पहुंची। फिर वह नीमा तमांग के घर भाटपाड़ा चाय बागान, कालचीनी पहुंची। इसके बाद 13 अप्रैल 2024 को ग्रेस वैली चर्च, भाटपाड़ा में उसने नीमा तमांग के संग विवाह रचाया। इसके बाद नीमा तमांग ने अलीपुरद्वार जिले के मिल्टनगंज की एक दुकान से 10 हजार रुपए देकर नैना काला पौडेल और उसके बेटी यूनिस बिस्वा का फर्जी आधार कार्ड बनाया। इसके बाद 21 अप्रैल 2024 को हनीमून के उद्देश्य से पानीटंकी नए पुल के रास्ते वे फर्जी आधार कार्ड के आधार पर नेपाल गए। हनीमून मनाने के बाद 7 मई मंगलवार को वे तीनों भारत लौट रहे थे। उसी दौरान पानीटंकी सीमा पर तैनात एसएसबी की 41वीं वाहिनी ने पानीटंकी बीआईटी कर्मियों ने अमेरिकी मां-बेटी नैना काला पौडेल और यूनिस बिस्वा को पकड़ लिया। साथ ही भारतीय नागरिक नीमा तमांग को भी पकड़ लिया। नैना काला पौडेल और यूनिस बिस्वा अमेरिका का रहने वाला बताया गया है। उनके पास 2029 तक वैध 5 साल तक भारतीय वीजा भी है। वहीं उसकी बेटी यूनिस बिस्वा का वीजा 20 मार्च 2025 तक वैध है। नीमा तमांग अलीपुरद्वार जिले के नयालाइन, भाटपाड़ा चाय बागान, कालचीनी इलाके का रहने वाला बताया गया है। एसएसबी ने अपनी आवश्यक कार्रवाई करने के बाद अमेरिकी मां-बेटी व नीमा तमांग को खोरीबाड़ी पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बुधवार को अमेरिकी मां-बेटी व भारतीय नागरिक को पांच दिन की पुलिस रिमांड अर्जी पर सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया। पुलिस मामले की अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

प्रत्याशियों पर निगरानी हेतु 21 स्टैटिक टीम गठित

बिहारशरीफ

बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी ३ सह- जिलाधिकारी, नालंदा शशांक शुभंकर द्वारा सोगरा हाई स्कूल मैदान से लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के सफल संचालन हेतु निर्वाचन व्यय अनुश्रवण के लिए विधानसभा वार 21 स्टैटिक निगरानी टीम वाहन को हरी झंडी दिखाकर बुधवार को रवाना किया गया । स्टैटिक निगरानी टीम निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन क्षेत्रों में अत्यधिक प्रचार खर्चा, रिश्वत की मदों का नगद या वस्तु के रूप में वितरण , अवैध शस्त्रों, गोला बारूद, शराब या असामाजिक तत्वों आदि पर नजर रखेगी ।इसके लिए विधानसभा वार 21चेक पोस्ट बनाए गए हैं ।इस टीम का दायित्व मुख्यतः आने जाने वाले वाहनों को चेकिंग करना,जिनका प्रयोग अभ्यर्थियों /राजनीतिक दलों या उनके कार्यकताओं द्वारा निर्वाचन कार्य में किया जा रहा है का होगा और वे सुनिश्चित करेंगे कि इन प्रयुक्त वाहनों में राजनीतिक दलों /अभ्यर्थियों द्वारा निर्वाचन व्यय से संबंधित दिशा निर्देशों एवं आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा है अथवा नहीं ।उल्लंघन की स्थिति में विधि सम्मत कार्रवाई उनके स्तर से निर्मित विभिन्न चेक पोस्ट पर स्टैटिक रहकर टीम औचक रूप से घूम-घूम कर अपने विधानसभा क्षेत्र में निर्मित विभिन्न चेक पोस्ट पर स्टैटिक होगी ।

एनडीए सरकार ने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं की प्रगति-सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया : नितिन गडकरी

पटना/बेगूसराय

बिहार में बेगूसराय लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत 10 वर्षो में भाजपा नीत एनडीए की सरकार ने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं सहित सभी के प्रगति और सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया है। गडकरी ने कहा कि राजमार्गों के निर्माण से बिहार का अपेक्षित विकास संभव हो रहा है। विकास को प्राथमिकता देते हुए मटिहानी की जनता इस बार भी गिरीराज सिंह को चुनकर भाजपा-राजग को विजयी बनाएगी, यह मुझे विश्वास है। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस-राजद की सरकार में जो काम 60 साल में नहीं हुआ वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दस वर्ष के शासनकाल में हमने करके दिखाया है। दस साल में बिहार में नेशनल हाईवे का जाल बिछाया गया है। गंगा नदी सहित अनेक नदियों पर लम्बे-लम्बे पुल का निर्माण हुआ है। गडकरी ने कहा कि अच्छी सड़क, बिजली और टेलिकम्युनिकेशन से रोजगार और उद्योग बढ़ता है। बेरोजगारी, भूखमरी और गरीबी भी दूर होती है। उन्होंने कहा कि केंद्र में सहयोगी गिरिराज सिंह ने अपने विभाग के जरिए अनेक गांवों को मजबूत रोड से जोड़ने का काम किया। बेगूसराय सहित पूरे बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाया जा चुका है, जो गिरिराज सिंह के मंत्रालय की ही देन हैं। गडकरी ने कहा कि देश बदल रहा है। मैं जिस क्षेत्र से आता हूं वहां 10 हजार किसानों ने आत्महत्या की। वर्ष 2004 में किसानों को उनकी फसल की कीमत नहीं मिलती थी। उस समय पेट्रोलियम मंत्री राम नाईक के साथ मुझे ब्राजील जाने का मौका मिला। वहां से लौटने के बाद हमने यह प्लान बनाया कि हमारा किसान इथोनॉल बनायेगा। गन्ना मिलों से 380 किलोवॉट बिजली का उत्पादन हो रहा है। हमारे यहां का किसान अन्नदाता नहीं, अब ऊर्जादाता बन गया है। आने वाले पांच सालों में हमारी सरकार में पूरे देश के किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जादाता भी बनेंगे।

हत्या के जुर्म में अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

भागलपुर। बलात्कार के बाद हत्या कर देने के मामले की सुनवाई करते हुए लव कुश कुमार 6 एडीजे कोर्ट में बुधवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई हुई। सुनवाई के उपरांत पोक्सो एक्ट के तहत 10 वर्ष की सजा और 302 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। उक्त मामले में 3 व्यक्ति आरोपी था। पर गवाह गुजारने के बाद प्रमाण के साथ संदीप कुमार चौधरी को दोषी पाया गया और सजा सुनाई गई। उल्लेखनीय है कि जिला अंतर्गत तिलकामांझी थाना क्षेत्र में 7 वर्ष पूर्व बलात्कार के बाद हत्या कर देने का एक कांड हुआ था।

चुनाव में इंडी गठबंधन को मिल रहा अपार जनसमर्थन : सुमन मल्लिक

अररिया।

कांग्रेस प्रवक्ता सुमन कुमार मल्लिक ने तीसरे चरण में बिहार में हुए पांच सीट पर चुनाव में इंडी गठबंधन के जीत का दावा किया। उन्होंने कहा की लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के चुनाव में कांग्रेस के साथ ही गठबंधन के सभी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है। मल्लिक ने खुशी जताते हुए कहा की लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में जिस तरह से कोसी-सीमांचल के सभी मतदाता लोकतंत्र के इस उत्सव में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए, ये अत्यंत ही सराहनीय हैं। मल्लिक ने कहा की लोकसभा चुनाव का परिणाम देश की दिशा और दशा तय करेगा। उन्होंने कहा की इस बार कई लोकसभा क्षेत्रों में अनेकों मजबूत स्वतंत्र प्रत्याशी की भी स्थिति बहुत बेहतर हैं और यदि वे चुनाव जीतकर आएंगे तो, वे इंडी गठबंधन को ही समर्थन देंगे। उन्होंने कहा की ये लोकसभा चुनाव का परिणाम उम्मीद से भी ज्यादा अप्रत्याशित साबित होंगे।

निर्वाचन आयोग की गलती से 50 हजार मतदाता रहें वंचित : सांसद

अररिया

अररिया समेत बिहार के पांच लोकसभा सीटों पर तीसरे चरण में मंगलवार को मतदान संपन्न हुई। अररिया में लगभग 63 प्रतिशत मतदान पड़े। अररिया में मतदान के उपरांत सांसद व भाजपा उम्मीदवार प्रदीप कुमार सिंह ने बुधवार को अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षात्मक बैठक की। इस दौरान निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराते हुए सांसद ने कहा कि जिला निर्वाचन आयोग की लापरवाही की वजह से अररिया संसदीय क्षेत्र के 50 हजार मतदाता वोट नहीं डाल पाये। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। इन्होंने आगे कहा कि जिला निर्वाचन आयोग के खिलाफ जांच कमिटी टीम गठित किया जाए और जिला में 50 हजार मतदाताओं का वोट नहीं डालने की वजह का जिला निर्वाचन आयोग पदार्फाश करें।

नौकरी चाहिए तो 'इंडी गठबंधन को ' को वोट दें : तेजस्वी

डेहरी आन सोन

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को काराकाट संसदीय क्षेत्र में महागठबंधन उम्मीदवार माले नेता राजाराम के नामांकन सह आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर नौकरी चाहिए तो इंडी गठबंधन को वोट दीजिए। अगर बेरोजगारी व गरीबी चाहिए तो राजग को वोट दीजिए। काराकाट संसदीय क्षेत्र के डेहरी विधान सभा के अकोढ़ीगोला प्रखंड के प्रेम नगर हाई स्कूल के मैदान में तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं रोजगार और नौकरी की बात करता हूं। जबकि, हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी हिंदू-मुस्लिम और मंगलसूत्र की बात करते हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि देश में महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है ।सरकार बनने पर गैस सिलेंडर भी सस्ते दाम पर होंगे उपलब्ध। तेजस्वी ने कहा अभी बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है, इसलिए बदलाव आवश्यक है। बदलाव के लिए वोट की चोट जरूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र में सरकार बनी तो एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। एलपीजी गैस सिलेंडर भी सस्ते दाम पर उपलब्ध कराई जाएगी। बिजली बिल भी 200 यूनिट तक फ्री कर दिया जाएगा। रक्षाबंधन पर सभी बहनों को एक-एक लाख रुपये प्रतिवर्ष का तोहफा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में सरकार में रहते हुए 17 महीने में 5 लाख नौकरियों का सृजन किया। उन्होंने कहा कि हमलोग सबको साथ लेकर चलते हैं। हमलोग संविधान और लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं। मौके पर दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि तीन चरण के चुनाव सम्पन्न हो चुके है। भाजपा का ग्राफ गिर चुका है। सरकार को बदलने वाला चुनाव है। इस देश के नौजवान इंतजार कर रहे है की मुद्दे की बात करने वाली सरकार केंद्र की गद्दी पर बैठे। इंडी गठबंधन की सरकार रोजगार देने को कार्य करेगी ।स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू होगी ।किसानों को उसका अधिकार दिया जाएगा। बिहार से चौंकानेवाला परिणाम आयेगा । वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने कहा की लोकतंत्र में जनता मालिक है।

महागठबंधन उम्मीदवार को जिताने की अपील करते हुए मुकेश ने कहा कि यह स्वाभिमान की लड़ाई है। मल्लाह के बेटे ने गंगाजल लेकर संकल्प लिया है कि भाजपा को हराना है और दिल्ली की गद्दी से हटाना है। उन्होंने इंडी गठबंधन के हर कार्यकर्ता को जीत दिलाने के लिए मेहनत करने की अपील की। मौके पर राजद विधायक फतेबहादुर सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांति सिंह पूर्व मंत्री अनिता चौधरी ,ओबरा विधायक रिषी कुमार, नवीनगर विधायक डब्ल्यू सिंह उर्फ विजय सिंह, सासाराम विधायक राजेश गुप्ता ,कामरेड अशोक कुमार सिंह, डेहरी डालमियानगर नगर परिषद मुख्य पार्षद शशि कुमारी राजद अतिपिछड़ा सेल के प्रदेश महासचिव गुड्डू चन्द्रवंशी समेत संसदीय क्षेत्र के आप, राजद, वी आईपी, माले ,सीपीआई के भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे ।

प्रधानमंत्री मोदी 12 मई को बिहार की राजधानी पटना में करेंगे रोड शो

पटना (बिहार)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 मई को राजधानी पटना में रोड शो करेंगे। इस रोड शो को भव्य बनाने के लिए प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रशासन ने भी इसकी तैयारी शुरू कर दी है। देश की आजादी के बाद किसी प्रधानमंत्री का पटना में यह पहला रोड शो होगा। पीएम मोदी के रोड शो को लेकर पटना के लोग भी बेहद उत्साहित हैं। प्रदेश भाजपा कार्यालय और पटना एसएसपी कार्यालय के मुताबिक

पटना में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन से चार किलोमीटर लंबा रोड शो करेंगे। इस दौरान खुली गाड़ी पर सवार प्रधानमंत्री जनता का अभिवादन स्वीकार करेंगे। इसे लेकर मंगलवार को भाजपा के पटना स्थित कार्यालय में संगठनात्मक बैठक भी हुई। पीएम का रोड शो पटना हाई कोर्ट के पास आंबेडकर मूर्ति से शुरू होगा जो कदमकुंआ तक जाएगा। हालांकि, अभी पीएमओ के स्तर से इसकी स्वीकृति मिलनी बाकी है। पीएम मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान पिछले दिनों झारखंड की राजधानी रांची में भी रोड शो किया था लेकिन यहां खास बात यह है कि रोड शो के बाद पीएम पटना में ही रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन बिहार में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे और वाराणसी जाकर नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

राष्ट्रहित में लोकतंत्र की रक्षार्थ मताधिकार प्रयोग करें : पं जीवेश्वर मिश्रा

मधुबनी।

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) द्वारा बुधवार को "मतदानं विधियताम्" की प्रेरित भावनात्मक अपील आम मतदाताओं से किया। विहिप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित जीवेश्वर मिश्रा ने लोकतंत्र में मतदान व मतदाताओं की अहम भूमिका विषय के साथ विचार मंथन विमर्श किया। दरभंगा मिश्रटोला निवासी विहिप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित जीवेश्वर मिश्रा ने संसदीय चुनाव में मतदान की प्रतिशत बढ़ाने को मतदाताओं से बूथ पर पहुंचकर अपना मत गिराने का सार्वजनिक अपील किया है। जीवेश्वर मिश्रा ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की आत्मा है। मतदान हमें पूर्ण स्वतंत्रता देती है। हम अपनी इच्छा के अनुकूल अपना प्रतिनिधि नियुक्त करें। मतदान करना भी एक पक्ष से हमारी नैमित्तिक पूजा है। जिससे हमें नीर-क्षीर विवेचन निष्ठा पूर्वक अनिवार्य रूप से करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान में मनवांछित उम्मीदवार की चयन विवेकपूर्वक ध्यान रखकर करना आवश्यक है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जरूरत हे कि हम अपने मताधिकार के माध्यम से उस दल विशेष को मजबूत करेंगे। राष्ट्रहित की अस्मिता को अक्षुण्ण व संस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करने के लिए कृत संकल्पित दल को वोट देना समय की मांग बताया।

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस प्रेक्षक ने इंडो-नेपाल बार्डर क्षेत्र का लिया जायजा

मोतिहारी

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस प्रेक्षक आत्माराम वी देशपांडे ने सीमावर्ती अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों के ग्रामीण रास्तों व नेपाल बार्डर क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया। इस क्रम में रक्सौल, आदापुर आदि प्रखंडों ग्रामीण रास्तों सहित इंडो-नेपाल बॉर्डर के दिल्ली काठमांडू को जोड़ने वाले मुख्य पथ पर स्थित भारतीय लैंड कस्टम, एसएसबी चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया। साथ ही एसएसबी द्वारा की जा रही ड्यूटी के संबंध में स्थानीय लोगों से जानकारी ली।

इस दौरान खुले बार्डर से नेपाल से आने-जाने वालों पर कड़ी नजर रखने व सघन जांच कर शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव कराने को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिया। मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार, पुनि सह थानाध्यक्ष राजीवनंदन सिन्हा, हरैया ओपी प्रभारी अनुज कुमार सिंह पीएसआई प्रभात कुमार, प्रकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

शराब के साथ दो तस्कर हुआ गिरफ्तार

अरेराज

उत्पाद थाना के द्वारा चुनाव को लेकर गहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान बुधवार को गुप्त सूचना पर छापेमारी कर शराब कारोबारी को हरदिया चौक से बाइक समेत पकड गिरफ्तार किया। जहां गाड़ी से 179 बोतल विदेशी शराब जप्त किया। जहां दो कारोबारी को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति छतौनी थाना क्षेत्र का है और दुसरा कोटवा थाना क्षेत्र का है। वहीं अरेराज उत्पाद थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि बाइक व शराब जप्त करते हुए दोनों कारोबारी के ऊपर करवाई करते हुए जेल भेज दिया गया। मौके पर काफी सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, राज कुमार, दरोगा अजय कुमार, सिपाही सुरेश पासवान, सरिता कुमारी एवं महिला पुरुष पुलिस बल मौजूद थे।

दरपा में सात किलो गांजा के साथ तीन गिरफ्तार

मोतिहारी

जिला पुलिस ने दरपा थाना क्षेत्र में नाकाबंदी कर सात किलो गांजा के साथ तीन तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर रक्सौल डीएसपी धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में दरपा थाना पुलिस ने तिनकोनी गांव में सघन वाहन जांच व छापेमारी के दौरान एक बाइक पर सवार दो व्यक्ति को 05 किलोग्राम के साथ गिरफ्तार किया गया।

पकड़े गये दोनो अरविन्द कुमार, थाना-दरपा व बिक्की कुमार श्रीवास्तव, थाना-दरपा बताये गये। जिनकी निशानदेही पर पर तिनकोनी गांव के शंकर सिंह के घर से 2 किलोग्राम गांजा और बरामद किया गया। साथ ही वहां से मिथलेश देवी नामक एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया।

इसके पास से 76 हजार 650 भारतीय व 875 नेपाली रूपया माप तौल मशीन स्केल बाट व मोबाइल बरामद किया गया।इस संदर्भ में दरपा थाना में कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई किया जा रहा है। छापेमारी टीम में रक्सौल डीएसपी धीरेन्द्र कुमार, दरपा थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी, पीएसआई नीतीश कुमार व दरपा थाना के रिजर्व गार्ड शामिल थे।

तेज आंधी के साथ शुरू हुई झमाझम बारिश दुसरे दिन भी जारी

मोतिहारी

जिले में मंगलवार को तेज आंधी के साथ शुरू हुई झमाझम बारिश दुसरे दिन भी जारी है। लिहाजा दिन का अधिकतम तापमान 41 डिग्री से लुढककर 27 डिग्री हो गई है। आसमान में छाये बादल से दिन में अंधेरा बना हुआ है।तेज आंधी के कारण जिले के सभी अनुमंडलो में बिजली आपूर्ति बाधित है।बारिश से एक ओर किसानों के चेहरे पर खुशी दिख रहा है,तो वही शहरो में कई जगह जलजमाव होने से लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है,कि लंबे इंतजार के बाद सीजन की पहली बारिश से तापमान में गिरावट से गर्मी से राहत तो मिली ही है,साथ ही लगातार नीचे जा रहे भू गर्भीय जलस्तर भी स्थिर होने का अनुमान जताया जा रहा है।हालांकि इस बारिश के साथ मेघ गर्जन से वज्रपात का भी डर बना हुआ है। आपदा प्रबंधन विभाग ने भी वज्रपात होने को लेकर अलर्ट जारी किया है। वही इस बारिश से खेती को काफी लाभ होने की उम्मीद जताई गई है।कृषि विभाग की माने तो मई माह में हुई इस बारिश से सब्जी की खेती के साथ आगामी खरीफ खेती को काफी लाभ होगी।हालांकि इस बारिश ने जिले के सभी शहरी क्षेत्र मोतिहारी, रक्सौल, ढाका घोड़ासहन, सुगौली व अरेराज के मुख्य सड़को पर जलजमाव की स्थिति से लोगो को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तीयर नदी में डुबने से युवक की मौत

मोतिहारी। जिले के लखौरा थाना क्षेत्र में तीयर नदी मे डूबने से 35 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। पुलिस के मुताबिक बुधवार को युवक गोलापकरीया गांव के निकट तीयर नदी में मछली पकड़ने के गया था। इसी दौरान गहरे पानी में डुबने से उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान निमोईया गांव निवासी बिरचन मुखिया के पुत्र शंकर मुखिया के रूप में हुई है।घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे लखौरा थानाध्यक्ष पंकज कुमार व थाना की पुलिस ने शव को अपने अभिरक्षा मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया है।

मुजफ्फरपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, AK-47 के साथ तीन अपराधियों को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर

बिहार एसटीएफ और मुजफ्फरपुर जिला पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अङ-47 एसॉल्ट राइफल सहित तीन कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। बताते चले कि बिहार एसटीएफ को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थीं कि मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन के पास कुछ अपराधकर्मी एक बड़े हथियार का कुछ सामान लेकर पहुंचे है। सूचना मिलते ही बिहार एसटीएफ और मुजफ्फरपुर जिला पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन के पास से दो अपराधियों को अङ 47 के बट और लेंस के साथ गिरफ्तार कर लिया। वही गिरफ्तार दोनों अपराधी से टीम ने जब कड़ाई से पुछताछ शुरू किया तो गिरफ्तार अपराधी के निशानदेही पर टीम ने जिले के फकुली थाना क्षेत्र के मलकौनी रोड पर स्थित मुड़ घटिया के समीप स्थित पुल के समीप से फकुली थाना क्षेत्र के मलकौनी गांव निवासी देव मनी राय को बिना बट और लेंस के अङ 47 के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जानकारी देते हुए मुजफ्फरपुर एसएसपी राकेश कुमार ने बताया कि बिहार एसटीएफ और मुजफ्फरपुर जिला पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए तीन अपराधकर्मी को/AK 47 एसॉल्ट राइफल के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के विकास कुमार, फकुली थाना क्षेत्र के देव मनी राय, और वैशाली जिले के अंजानपीर निवासी सत्यम कुमार के रुप में हुई है। गिरफ्तार सभी अपराधी को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

ठनका गिरने से ऊकनी के एक नवयुवक की मौत

शिवहर

प्रखंड के ऊकनी वार्ड नंबर 9 निवासी विश्वनाथ साह के 25 वर्षीय पुत्र सुरेंद्र साह की मौत ठनका (ब्रजपात) गिरने से हो गई है। बताया गया है कि मृतक सुरेंद्र साह शौच करने के लिए खेत में गया हुआ था तभी आसमान से ब्रजपात गिरा और मौके पर ही मौत हो गई। जिसे परिजनों ने सरोजा सीताराम सदर अस्पताल पहुंचाया चिकित्सकों ने मृत घोषित किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक प्रदेश में मजदूरी का काम करता था ,उसके दो छोटे-छोटे बच्चे भी है । इस घटना से परिजनों को रो रो का बुरा हाल है।

सामान्य प्रेक्षक द्वारा की गई समीक्षा

बेतिया

बुधवार को समाहरणालय सभागार में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 छठे चरण मतदान हेतु नियुक्त पश्चिम चम्पारण एवं वाल्मीकिनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक महोदय द्वारा सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों एवं सभी नोडल पदाधिकारियों सहित सभी ए0आर0ओ0 के साथ समीक्षात्मक बैठक की गई। इस बैठक में दोनों लोकसभा क्षेत्रों से संबंधित सभी कोषांगों एवं सभी ए0आर0ओ0 द्वारा अबतक की गयी निर्वाचन संबंधी तैयारी की विस्तृत जानकारी ली गयी। 1-वाल्मीकिनगर लोकसभा के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक जे0 इनोसेन्ट दिव्या एवं एस0 कृष्णा चैतन्य सामान्य प्रेक्षक 2-पश्चिम चम्पारण लोकसभा क्षेत्र द्वारा सर्वप्रथम सभागार में उपस्थित सभी कोषांगों के वरीय पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी एवं सभी ए0आर0ओ0 से परिचय प्राप्त करते हुए अपना भी परिचय दिया गया। इस बैठक का संबोधन दोनों रिटर्निंग पदाधिकारी द्वारा किया गया।समीक्षा के क्रम में सभी संबंधित पदाधिकारियों से अबतक की गई तैयारियों की गहन समीक्षा की गयी एवं आवश्यक दिशा-निर्देश भी दी गयी। सामान्य प्रेक्षक एवं उपस्थित व्यय प्रेक्षक के द्वारा कहा गया कि हम प्रेक्षक सिर्फ अवलोकन करेंगे परन्तु सफलतापूर्वक निर्वाचन सम्पन्न कराने की जिम्मेवारी आप सभी उपस्थित पदाधिकारियों के कंधों पर है। उन्होंने कहा कि आप सभी पदाधिकारी यदि आवश्यक हुआ तो हम सभी प्रेक्षकों से किसी भी समय मिलकर आ रहे अपने-अपने व्यवधानों के समाधान हेतु सम्पर्क कर सकते हैं। सामान्य प्रेक्षकों द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि अब मात्र लगभग कुछ दिन शेष रह गये हैं। इसमें सभी निर्वाचन संबंधी शेष कार्य पूरा करना है। सभी पदाधिकारी अपने दायित्वों का निवर्हन पुरी मेहनत के साथ करने में रूचि लें ताकि शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, भयमुक्त सौहार्दपूर्ण वातावरण में मतदान एवं मतगणना आदि सभी कार्य सम्पन्न हो जाय। ज्ञात हो कि समाचार पत्रों में सभी प्रेक्षकों के सम्पर्क संख्या, आवासन स्थान आदि के बारे में आम सूचना प्रकाशित भी की गयी है। इस बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी दिनेश कुमार राय, पश्चिम चम्पारण लोकसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी एवं वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी राजीव कुमार सिंह सहित उप विकास आयुक्त महोदया सहित पूर्वी चम्पारण जिला के पश्चिम चम्पारण लोकसभा क्षेत्र में पड़ने वाले ए0आर0ओ0 भी उपस्थित थे इस सभा का समापन जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने आशा व्यक्त की कि उपस्थित सभी पदाधिकारी अपने-अपने निर्वाचन संबंधी दायित्वों का निवर्हन ससमय बखूबी करेंगे एवं लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के छठे चरण अंतर्गत पश्चिम चम्पारण एवं वाल्मीकिनगर लोकसभा आम निर्वाचन को सफल बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित करेंगे।

25 मई को मतदान अवश्य करें और गर्व करें आप जागरूक मतदाता है : मेरी आडलीन

बेतिया

मतदान का लाईन टूटे नहीं, कोई मतदाता छुटे नहीं। नारों के साथ संत आग्नेस स्कूल, चुहड़ी, चनपटिया की छात्राओं ने मानव श्रृंखला से बनाई भारत का नक्शा और दिया मतदान का संदेश। जिला स्वीप कोषांग की सदस्या सुश्री मेरी आडलीन ने बताया कि संत आग्नेस स्कूल, चुहड़ी में मतदाता जागरूकता अभियान से संबंधित विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को विद्यालय में छात्राओं ने मानव श्रृंखला के माध्यम से मतदान का संदेश दिया। मानव श्रृंखला में संत आग्नेस बालिका मध्य विद्यालय और संत आग्नेस बालिका उच्च विद्यालय की लगभग एक हजार से ज्यादा छात्राएं भाग ली। वही मानव श्रृंखला के माध्यम से मतदान की अपील हेतु हजारों की संख्या में छात्राओं को शामिल कर विद्यालय परिसर में विशाल और भव्य मानचित्र को उकेरने वाले शिक्षक श्री रेजीनोल्ड अमर सिंह ने कहा कि उन्होंने मानव श्रृंखला से भारत के मानचित्र को बनाकर, सभी मतदाताओं को 25 मई को मतदान करने की अपील किया है। श्री सिंह ने कहा कि मानव श्रृंखला से बने भारत का मानचित्र और स्वीप लोगो, सभी मतदाताओं को संदेश दे रहा है- वोट फॉर इंडिया, छोड़ कर अपने सारे काम, चलो करें पहले मतदान। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में संत आग्नेस उच्च विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर निर्मला कुमारी संत आग्नेस मध्य विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर अजिता, विद्यालय की शिक्षिका पूनम कुमारी, मनोरमा उत्तम, शिखा रवि, रोज मेरी, सेलिन विवेक, लीना संजय, मिस अबिता, मिस नूतन, मिस ऋचा, मिस पिंकी सहित जिला स्वीप कोषांग के सदस्य शशिकांत, रानी कुमारी आदि शामिल हुए।

टीबी के लक्षणों को नजरअंदाज करने पर होता है एमडीआर का खतरा

लंबे समय तक खांसी, हल्की बुखार, बलगम के साथ खून आए तो तुरंत कराए टीबी की जांच

बेतिया

प्रायः देखा जाता है कि ग्रामीण कस्बों के मजदूरी करने वाले लोग जो संतुलित आहार का सेवन नहीं करते, स्वच्छ वातावरण में नहीं रहते, जाने-अनजाने में टीबी जैसे गंभीर बीमारी के चपेट में आने के बाद समय पर इलाज नहीं कराते जिससे उनको इसके बिगड़े हुए रूप "एमडीआर" का खतरा होता है। जिससे प्रभावित होने के बाद टीबी मरीज का शरीर काफी कमजोर हो जाता है। जिले के संचारी रोग पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा ने बताया की टीबी एक गंभीर संचारी रोग है जो मरीजों के सम्पर्क में रहने से फैलता है। यह मरीजों के बलगम, थूक, खांसी, छींक आदि के द्वारा फैलता है। इस बीमारी के कारण मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी आने लगती है। मरीज में टीबी होने पर दो हफ्ते से ज्यादा समय से बलगम वाली खांसी, बुखार, लगातार वजन घटना, रात में पसीने आने के लक्षण देखें जाते है। ऐसे लक्षण होने पर उन्हें सरकारी अस्पताल में मरीजों के बलगम की सीबी नेट से निःशुल्क जांच की जाती है। इस जांच से टीबी या एमडीआर होने का पता चलता है। उन्होंने बताया कि जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर 5489 टीबी मरीजों का इलाज चल रहा है।

उन्होंने बताया कि टीबी शरीर के किसी भी हिस्सों में हो सकता है। जैसे छाती, फेफड़ों, गर्दन, पेट आदि। टीबी का सही समय पर जांच होना बहुत ही आवश्यक होता है। तभी हम इस गंभीर बीमारी से बच सकते हैं। इससे बचने के लिए सभी आयु वर्गों के लोगों को संतुलित भोजन करना चाहिए, अपने घरों व आसपास साफ सफाई रखनी चाहिए, खासने, छींकने वाले लोगों से दूर रहना चाहिए, बाजार या फिर बाहर वाले इलाकों में मास्क लगाकर जाना चाहिए एवं किसी प्रकार की तकलीफ हो तो तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर टीबी से संबंधित जांच करना चाहिए।

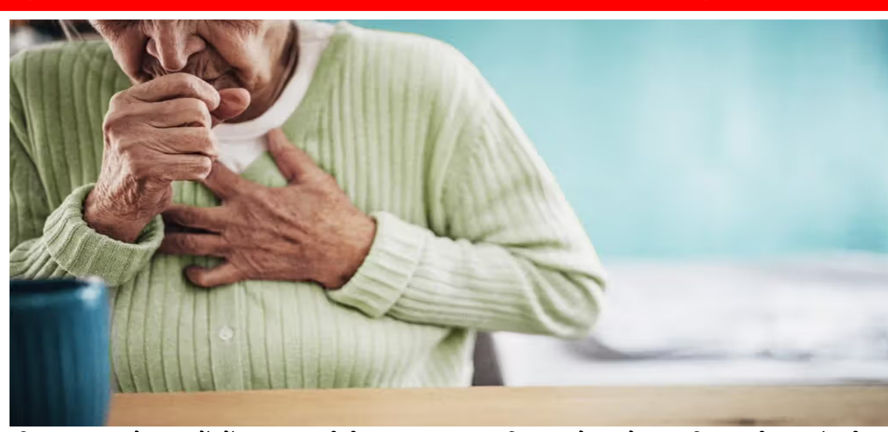

स्वास्थ्य केन्द्रों पर की जा रही है मरीजों की जांचः

सीएस डॉ श्रीकांत दुबे ने बताया की टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बेतिया, नरकटियागंज, बगहा, मझौलिया व अन्य स्वास्थ्य केन्द्रो के आसपास टीबी रोगियों की खोज की जा रही है। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा टीबी के समय पर पहचान हेतु लक्षण व इससे बचाव के उपाय भी बताए जा रहें है। जिला यक्ष्मा केन्द्र सहित सभी अनुमंडलीय व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर मरीजों की जांच व इलाज की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया की प्रधानमंत्री निक्ष्य मित्र योजना के अंतर्गत 53 समाजसेवी संस्थानों व आमजनों ने निक्ष्य मित्र बनकर टीबी मरीजों को पोषण सम्बंधित सहायता के लिए गोद भी लिया गया है। जिला यक्ष्मा केंद्र में कार्यरत सूर्य नारायण साह ने बताया की बेतिया डीटीसी में 2576 टीबी मरीज इलाजरत है, वहीं नरकटिया गंज में 540, बगहा में 428, रामनगर में 292 टीबी मरीज इलाजरत है।

सूर्य नारायण साह ने कहा की टीबी मरीजों को इलाज के दौरान उन्हें पोषण के लिए 500 रुपये प्रति माह सरकारी सहायता भी प्रदान की जा रही है। पोषण युक्त भोजन में दूध, अंडे, मांस, ताजे, मौसमी फल संतरा, आम, कद्दू ,गाजर, अमरूद, आंवला, टमाटर, नट्स और बीज जैसे फल और सब्जियां खाएं। इन खाद्य पदार्थों में प्रोटीन, विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं जो टीबी से शरीर का बचाव करते है। इनका उपयोग बहुत लाभकारी है।

संपादकीय

चीन पर रहे सतर्क निगाह

पिछले दिनों सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का एक बयान मीडिया की सुर्खियां बना था कि भारत-चीन सीमा पर स्थिति स्थिर है लेकिन बेहद संवेदनशील है। तब इस वक्तव्य को लेकर कयास लगाये जा रहे थे कि इस बयान के तात्कालिक निहितार्थ क्या हैं। जाहिर है इस स्थिति के चलते हम अपने सतर्कता प्रयासों को कम नहीं कर सकते हैं। पीएलए के किसी भी दुस्साहस को रोकने के लिये चौबीसों घंटे निगरानी की जरूरत महसूस की जा रही है। यह बात तो तय है कि मौजूदा हालात में भारत अपनी सुरक्षा तैयारियों को लेकर किसी तरह की ढील नहीं दे सकता। इस पंद्रह महीने की अवधि के दौरान भारत ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी पीएलए की निगरानी के उद्देश्य से कई गुप्त अभियान भी चलाए। दरअसल, ये झड़पें और ऑपरेशन पहले सार्वजनिक विमर्श में नहीं आए। पिछले दिनों पश्चिमी और मध्य सेना कमांड के एक कार्यक्रम में आयोजित अलंकरण समारोह के दौरान वीरता पुरस्कारों के लिये प्रशस्ति पत्र पढ़ने के दौरान इन तथ्यों का खुलासा हुआ। दरअसल, ये स्थितियां सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे द्वारा एलएसी को संवेदनशील बताये जाने की पुष्टि करती हैं। जिसका साफ निष्कर्ष यह भी है कि हम अपनी सुरक्षा तैयारियों से किसी भी तरह का समझौता नहीं कर सकते। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि क्षेत्र में अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को अंजाम देने के लिये चीन लगातार ताकत के बल पर अपने भू-भाग को विस्तार देने की कुत्सित कोशिश में लगा रहता है। भारत ही नहीं, अपने दर्जन भर पड़ोसियों से उसका लगातार सीमा विवाद चलता रहता है। यहां तक कि विवाद के ये मामले अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय तक भी पहुंचे हैं। दरअसल, अब चाहे थल सीमा हो या समुद्री सीमा, चीन की कोशिश लगातार छोटे देशों को दबाने की होती है। इसी तरह वह भारत की सीमा पर अतिक्रमण करके सामरिक बढ़त लेने की फिराक में रहता है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत किसी भी उकसावे का सावधानीपूर्वक, लेकिन दृढ़ता से चीन को जवाब दे। यहां उल्लेखनीय है कि भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष से दो टूक शब्दों में कह दिया है कि जब तक सीमा पर कोई मान्य समाधान नहीं निकाला जाता, तब तक दोनों देशों के बीच अन्य संबंधों को सामान्य रूप से आगे बढ़ाने की कोई गुंजाइश नहीं रहती है।

कर्ज के बोझ तले दबता आज का भारत

-प्रियंका सौरभ

यह संकट या बड़े पैमाने पर ऋण आवश्यकताओं के लिए भविष्य में उपयोगी उधार लेने की संभावना को बर्बाद करना और खतरे में डालना है। समस्या यह है कि ये सभी बढ़ते खर्च वास्तव में उच्च विकास की ओर ले जा रहे हैं और मानव पूंजी विकास के लिए आवश्यक सामाजिक/कल्याण व्यय की कीमत पर आ रहे हैं। राजकोषीय घाटे से उत्पन्न होने वाले 'छिपे हुए ऋण' की संभावना हमेशा बनी रहती है जिसे आधिकारिक आंकड़ों में 'चुपचाप छिपाया जाता है' और 'जिसका हिसाब नहीं दिया जाता है।' संकट के समय में, 'छिपे हुए ऋण' के आंकड़े किसी अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकते हैं।

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का खिताब अपने नाम लिए भारत सरकार और इसके राज्यों पर बहुत ज्यादा कर्ज हो गया है। अगर इसे कम नहीं किया गया तो हमें इस अच्छे मौके का पूरा फायदा नहीं उठा पाएंगे। 2019-20 में महामारी से पहले ही ये कर्ज बढ़ने लगा था जो तब से कम नहीं हुआ है। इस कर्ज के ज्यादा होने का एक कारण ये है कि निजी कंपनियां मुट्ठी ठीक से खोल नहीं रही हैं। वो अर्थव्यवस्था में कम पैसा लगा रही हैं। बैंकों और कंपनियों ने अपने लोन कम कर दिए जिससे निजी निवेश कम हो गया है। इसी वजह से सरकार ने ज्यादा पैसा लगाकर अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की कोशिश की और कर्ज बढ़ता गया। भविष्य में अगर सरकार का कर्ज कम नहीं हुआ तो निजी कंपनियां ज्यादा ब्याज चुकाने के लिए मजबूर होंगी। तब निवेश और कम हो जाएगा। इसे यूं समझिए अगर अर्थ० यवस् था के मुकाबले विदेशी कर्ज बढ़ता है तो देश की सॉवरेन रेटिंग पर असर पड़ता है। खासतौर से विकासशील अर्थ० यवस् थाओं पर इसका ज यादा असर पड़ सकता है। कर्ज को चुकाने में अगर डिफॉल् ट किया गया तो न सिर्फ देश की सॉवरेन रेटिंग पर असर पड़ेगा, बल्कि विदेशी निवेशकों में भी निगेटिव संदेश जाएगा और इनवेस् टमेंट गिर सकता है। इसका असर उद्योगों और प्रोजेक ट पर भी पड़ेगा, जिससे रोजगार के अवसर कम हो जाएंगे। इसके अलावा कर्ज डिफॉल् ट होने पर उसे चुकाना महंगा हो जाएगा, जिससे सरकारी खजाने पर भी असर पड़ सकता है और सरकार आम आदमी के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं में कटौती को मजबूर हो सकती है। सरकार का कर्ज. इस बात पर निर्भर करता है कि उसकी आमदनी कितनी है और खर्चे कितने हैं। अगर खर्चा आमदनी से ज्यादा है तो सरकार को उधार या कर्ज. लेना पड़ता है। इसका सीधा असर सरकार के राजकोषीय घाटे पर पड़ता है। 1980 के बाद हमें बजट में राजस्व घाटा हो रहा है। राजस्व घाटे का मतलब है जो आपका वर्तमान खर्च है वो आपके राजस्व से ज्यादा है। इसलिए मौजूदा खर्च को चलाने के लिए के लिए कर्ज. लेना पड़ रहा है। राजस्व घाटे का मतलब है कि जिसके लिए आप उधार ले रहे हैं उस पर रिटर्न नहीं आएगा। जैसे- सब्सिडी या डिफेंस पर होने वाला खर्च। बजट का एक बड़ा हिस्सा इन पर खर्च होता है और फिर हमारा कर्ज.बढ़ता चला जाता है। आज जो इतना कर्ज. लिया जा रहा है इसका बोझ सिर्फ. हमारे और आपके ऊपर नहीं आएगा। भविष्य में इसका बोझ हमारी संतानों पर भी आएगा। अगर अर्थव्यवस्था में उत्पादन नहीं बढ़ेगा, रोजगार नहीं बढ़ेगा और हमारे देश में अमीर-गरीब के बीच असमानता कम नहीं होगी तो आपको कर्ज. लेना ही पड़ेगा। और ये दुर्भाग्यपूर्ण है। आज का भारत 'ऋण संकट की समस्या' का सामना कर रहा है। इस 'संकट' को वर्तमान ऋण की मात्रा के संदर्भ में नहीं, बल्कि बढ़ते सरकारी (घरेलू, बाह्य और कॉर्पोरेट) ऋण और अन्य मैक्रो समुच्चय (विकास, रोजगार, मुद्रास्फीति से लेकर वित्तीय ऋण विस्तार तक) के बीच बड़े रुझान और व्यापक आर्थिक संबंध के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकार को इन चुनौतियों से निपटने के लिए गंभीर राजकोषीय समेकन उपाय करने की आवश्यकता होगी, बजाय इसके कि आईएमएफ ने जो चेतावनी दी है, उसे नकार दिया जाए। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत को कर्ज के बारे में आगाह किया है। आईएमएफ को अंदेशा है कि मीडियम टर्म में भारत का सरकारी कर्ज बढ़कर ऐसे स्तर पर पहुंच सकता है, जो देश की जीडीपी से ज्यादा हो सकता है। मतलब कुल सरकारी कर्ज देश की जीडीपी के 100 फीसदी से ज्यादा हो सकता है। पिछले तीन वर्षों में पूंजीगत व्यय से प्रेरित सरकारी खर्च ने अधिक पूंजी निर्माण (विकास के लिए निजी पूंजी निवेश को आकर्षित करने के लिए) की अनुमति नहीं दी है।

(रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस)

महर्षि का आश्रम और वाल्मीकि समाज

- कुलदीप चंद अग्निहोत्री

इसलिए सभी साधक संगीत में भी निपुण हो रहे थे। आश्रम में विद्वानों या ऋषि-मुनियों का आना-जाना लगा रहता था। लव और कुश दोनों भाई वाल्मीकि जी की आज्ञा से आश्रम में राम कथा का गायन करते। आश्रम का पूरा वाल्मीकि समाज राम कथा का गायन करता था। यह समाज राम कथा गा-गाकर राममय हो गया था। दूर-दूर से श्रोतागण इस संगीत की धारा का रसास्वादन करने के लिए पहुंचते थे।

राम कथा के इतिहास में महर्षि वाल्मीकि, विश्वामित्र और वशिष्ठ जी के आश्रम चर्चित थे। लेकिन वाल्मीकि जी के आश्रम की ख्याति का एक और कारण भी था। वे पूर्व इतिहास को लिख भी रहे थे और नए इतिहास को गढ़ भी रहे थे। इस आश्रम की प्रसिद्धि के तीन मुख्य कारण हैं। यहां बैठ कर महर्षि वाल्मीकि ने श्री रामचन्द्र जी के इतिहास को लिपिबद्ध किया था। अयोध्या नरेश श्री दशरथ और उनके सुपुत्र श्री रामचन्द्र जी के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएं यथा राम वनवास, राम-रावण विवाद, रावण द्वारा सीता का अपहरण, राम द्वारा सामान्य जन का संगठन खड़ा करना और उसी संगठन के बलबूते महाशक्तिशाली रावण को पराजित करना, अयोध्या का शासन सम्भालना, इस सब को पहली बार वाल्मीकि महाराज ने ही भविष्य की पीढि ों के लिए समग्र रूप में सुरक्षित किया था। लेकिन रामचन्द्र जी के इतिहास की अनेक घटनाओं का यह आश्रम साक्षी भी कहा जा सकता है। अयोध्या वापस आने पर रामचन्द्र जी के जीवन में एक लोकोपवाद का प्रसंग उपस्थित हो गया। वह किसी प्रजाजन द्वारा सीता जी पर लगाया गया आक्षेप है। रामचन्द्र जी के सामने संकट उपस्थित हो गया है। शायद सीता अपहरण से भी बड़ा संकट। उन्हें सीता पर सन्देह नहीं है। लेकिन प्रश्न सीता का तो है ही नहीं, यहां प्रश्न प्रजा का है। आक्षेप लगाने वाला राज्य की प्रजा में से है। आज की शब्दावली में कहें तो राज्य का नागरिक है। इस स्थिति में रामचन्द्र जी के सामने अनेक विकल्प हैं। सबसे पहला विकल्प तो अंग्रेजी भाषा में कहें तो इग्नोर करने का है। ऐसे अनेक लोग भौंकते रहते हैं। दूसरा विकल्प निराधार लांछन लगाने के आरोप में दोषी को दंड देने का है। लेकिन रामचन्द्र जी ने राज्य व्यवस्था का एक नया सूत्र दिया। राज की व्यवस्था चाहे लोकतंत्र की हो, कुलीनतंत्र की हो या फिर राजतंत्र की ही क्यों न हो, राज तो लोकलाज से चलता है। यह किसी भी राज्य व्यवस्था का आदर्श या चरम बिन्दु कहा जा सकता है। इस चरम बिन्दु को व्यावहारिक रूप में धारण करना कितना मुश्किल है, वही क्षण रामचन्द्र जी के सामने उपस्थित हो गया था। यह परीक्षा की घड़ी थी। रामचन्द्र इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। उन्होंने सीता का त्याग कर दिया। शायद सीता भी जानती थी कि यह राजा या शासक होने का रामचन्द्र द्वारा स्वयं को दिया गया दंड ही है। राज सिंहासन यदि प्रजा द्वारा दिया गया पुरस्कार है तो प्रजा द्वारा दिया गया यह दंड भी राजा को लेना ही होगा। राजसिंहासन कांटों का ताज है। राजा यह ताज इसलिए धारण करता है ताकि प्रजा का मार्ग कंटक मुक्त हो जाए। राम को जब उनके पिता ने बनवास दे दिया था, तब राम ने उफ नहीं की थी और अब जब सीता को वनवास मिल रहा था तो उसने भी उफ नहीं की। राम भविष्य के शासकों के लिए राजधर्म के मानदंड निर्धारित कर रहे थे। राज लोकलाज से चलता है। रामचन्द्र के इतिहास का यह दूसरा हिस्सा है। रामचन्द्र स्वयं अयोध्या में हैं, लेकिन उनकी अर्द्धांगिनी वाल्मीकि के आश्रम में आ गई हैं। इस प्रकार रामचन्द्र जी के वंश के इतिहास का यह दूसरा अध्याय महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में घटित भी हो रहा है और साथ-साथ लिपिबद्ध भी किया जा रहा है। इसके बाद महर्षि वाल्मीकि, राम के इतिहास के केवल लेखक न रह कर, स्वयं उसका हिस्सा बन जाते हैं।

गर्भवती सीता महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में आश्रय पाती हैं। इसी आश्रम में रामचन्द्र जी के दोनों पुत्रों लव एवं कुश का लालन-पालन होता था। इस तरह ज्ञान साधना का वाल्मीकि आश्रम शस्त्र साधना का केन्द्र भी बन गया था। यहां लव-कुश के साथ ही हजारों युवा शस्त्रों का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। यहां देश की सामाजिक व्यवस्था में भी एक नया प्रयोग हो रहा था। अभी तक की सामाजिक व्यवस्था में जो ज्ञान अर्जित करने में रुचि रखता था, उसे शस्त्रों के प्रशिक्षण की जरूरत नहीं समझी जाती थी। जो शस्त्रों का प्रशिक्षण प्राप्त करते थे, उनका ज्ञान साधना से कोई ताल्लुक नहीं होता था। लेकिन महर्षि वाल्मीकि भविष्य द्रष्टा थे।

काव्य सृजन

जीवन में सदा संघर्ष है

नवीनतम संघर्ष है अब तो जीवन मे
कभी गम कभी तो हर्ष अब जीवन मे
चलता रहे सदा वही तो अब सद है
जीवन मे सदा संघर्ष व जद्दोजहद है

हर पड़ाव का नया एक मुकाम होगा
ढलता दिन, कभी ढलता शाम होगा
हर शैय की यहाँ पर तय एक हद है
जीवन मे सदा संघर्ष व जद्दोजहद है

जगत मे खुशियाँ और गम रहता है
दोंनो साथ-साथ कभी नहीं रहता है
कही दुआएं तो कंही मिलता बद है
जीवन मे सदा संघर्ष व जद्दोजहद है

हर पड़ाव का भरपूर आनंद लीजिये
जगत के लिए अब कुछ तो कीजिये
हर सदा की मौत जब अंतिम हद है
जीवन मे सदा संघर्ष व जद्दोजहद है

-प्रमेशदीप मानिकपुरी
आमाचानी धमतरी (छग)।

फैशन गाइड

वी-नेक ब्लाउज के साथ ज्वेलरी करें स्टाइल

खूबसूरत दिखने के लिए जरूरी नहीं की केवल आप लेटेस्ट फैशन ट्रेंड की सभी चीजें स्टाइल करें बल्कि ट्रेडिशनल लुक को खास उसकी स्टाइलिंग करने का तरीका भी बनाता है। वहीं आजकल वी-नेक ब्लाउज काफी चलन में नजर आ रहा है। देखने में ये डिजाइन काफी युनिक और स्टाइलिश भी नजर आता है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि इस तरह के ब्लाउज के साथ ज्वेलरी को स्टाइल करने का भी एक तरीका होता है ताकि आप स्टाइलिश और खूबसूरत नजर आएं। अगर आप भी वी-नेक ब्लाउज के साथ ज्वेलरी स्टाइल करते समय कंफ्यूज हो जाती हैं तो इस आर्टिकल को आखिर तक जरूर पढ़ें। इसमें हम आपको बताने वाले हैं वी-नेक ब्लाउज के साथ ज्वेलरी को स्टाइल करने की अमेजिंग टिप्स ताकि आप नजर आए अप-टू-डेट।

मिनिमल ज्वेलरी लुक : कई बार हम कम से कम ज्वेलरी को स्टाइल करना पसंद करते हैं। बता दें कि अगर आप भी इसी तरह मिनिमल ज्वेलरी को ही कैरी करना पसंद करती हैं तो इसके लिए केवल डायमंड स्टड्स इयररिंग्स को कैरी कर सकती हैं।

■ **हैवी चोकर के साथः** वी-नेक ब्लाउज के साथ आप हैवी चोकर सेट को भी कैरी कर सकती हैं। साथ ही आप गोल डिजाइन वाले मैचिंग इयररिंग्स को भी स्टाइल कर सकती हैं। अगर आप हैवी चोकर नहीं स्टाइल करना चाहती हैं तो डबल डिजाइन वाले गले से लगे चोकर के साथ लंबी चैन वाले नेकलेस को स्टाइल कर सकती हैं।

■ **इयररिंग्स को करें स्किप :** वहीं अगर आप कुछ हटकर ट्राई करना चाहती हैं तो इयररिंग्स को स्किप कर केवल मैचिंग चोक को स्टाइल कर सकती हैं। इसके अलावा आप चाहे तो मल्टी-लेयर वाले चोकर को भी चुन सकती हैं और स्टाइल कर सकती हैं।

■ **अन्य टिप्स :** किसी भी ज्वेलरी को स्टाइल करने से पहले आप आउटफिट के पैटर्न और डिजाइन को एक बार ध्यान से जरूरी समझें ताकि आपका पूरा लुक आपस में मैच करें और कोई भी स्टाइल की हुई चीज खूबसूरती के साथ हाइलाइट होकर नजर आएं।

-आंचल शर्मा

चुनें ये स्लीव्स डिजाइन, दिखेंगी खूबसूरत

हाअगर आप हैवी डिजाइन की कोई ड्रेस बनवा रही है और स्लीव्स डजाइन को लेकर थोड़ी दुविधा में हैं तो हमारे इस लेख को जरूर पढ़ें।

कपड़ों का हर एक हिस्से का फैशन आए दिन अपडेट होते रहता है। इन्हीं में से एक है कपड़ों के बाजू के डिजाइन्स, जो नए-नए आते रहते हैं। आज हम आपको ऐसे स्लीव डिजाइन दिखाने वाले हैं जिन्हें आप हैवी ड्रेस के लिए बनवा सकती हैं। हैवी ड्रेस पर यह डिजाइन खूब जचेंगे।

● **पफ स्लीव्स :** अगर आपकी ड्रेस हैवी और उसके बाजु सिंपल नेट वाले हैं तो आप पफ स्लीव बना सकती हैं। इस तरह की स्लीव नेट या फिर ऑर्गनजा फैब्रिक पर खूब खिलेगी। आप चाहें तो इस तरह की स्लीव्स को हाफ भी बनवा सकती हैं और फूल भी या आप कोहनी तक भी बनवा सकती हैं। आप साड़ी, सूट या फिर किसी गाउन में भी ऐसी स्लीव डिजाइन बनवा सकती हैं।

● **स्लिट स्लीव्स :** आप अपनी पसंद के हिसाब से फूल या हाफ स्लिट डिजाइन वाले स्लीव्स बनवा सकती हैं। श्रध्दा ने सिंपल सूट में यह डिजाइन बनवाया है लेकिन आप इसे हैवी ड्रेस के साथ भी बनवा सकती हैं। अगर आप कोई हैवी सूट सिल्वा रही है तो उसके स्लीव्स को ऐसा लुक दे सकती हैं। यह दिखने बहुत ही सुंदर है और पहनने में सहज भी है।

● **बेल और रफल स्लीव्स :** इस तरह की स्लीव डिजाइन आप साड़ी के ब्लाउज और सूट के साथ बनवा सकती हैं। यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है कि आप कितने रफल वाली स्लीवबनाना चाहती हैं। अगर आप फूल स्लीव बनाने की सोच रही है तो रफल को कम रखें। आप जितनी चाहे लेयर वाली रफल बना सकती हैं।

● **लैंटर्न स्लीव्स :** इस तरह की स्लीव को दो भागों में बनाया जाता है। एक भाग रफल वाला है और दूसरा हाथों से चिपक हुआ(बॉलीवुड दीवाज से ले फैशन इंस्पिरेशन)। आप इस तरह की स्लीव्स साड़ी और सूट के साथ बनाएंगी तो बहुत ही सुंदर लगेंगी। इस तरह की स्लीव्स गाउन के साथ बहुत ही प्यारी लगेंगी। आप अपने आसपास के किसी अच्छे टेलर से ऐसी स्लीव्स सिलवा सकती हैं।

-बबीता सैन

जानें हेयर स्प्रे और फिनिशिंग स्प्रे के बीच का अंतर

महिलाएं अक्सर अपने बालों पर हेयर स्प्रे और फिनिशिंग स्प्रे का प्रयोग करती हैं, लेकिन इनके बीच अंतर को लेकर वह हमेशा कन्फ्यूजन में रहती हैं। ऐसे तो आजकल हेयर स्टाइलिंग में इन दोनो चीजों की जरूरत होती है, लेकिन अगर आप इसका प्रयोग सही तरीके से नहीं करेंगी तो ये आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। इसलिए आज हम आपको बताएंगे फिनिशिंग और हेयर स्प्रे के बीच अंतर ।

● **क्या होता है हेयर स्प्रे?**

हेयर स्प्रे का प्रयोग बालों में बनाई गई हेयरस्टाइल को लॉन्ग लास्टिंग बनाए रखने के लिए किया जाता है। यह आपकी हेयर को उनकी जगह पर बनाए रखने में मदद करता है। जिसके कारण स्टाइल किए हुए बाल लंबे समय तक टिके रहते हैं। ये बालों को जगह पर चिपका देता है। जिसकी वजह से बाल टाइट हो जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपनी बालों में की हुई हेयरस्टाइल को ज्यादा देर के लिए बनाए रखना चाहती हैं, तो आप हेयर स्प्रे का प्रयोग कर सकती हैं। आपको बाजार में कई तरह के हेयर स्प्रे आसानी से मिल जाएंगे एक्स्ट्रा होल्ड हेयर स्प्रे, लाइट होल्ड हेयर स्प्रे, जेल हेयर स्प्रे आदि।

क्या होता है फिनिशिंग स्प्रे ?

फिनिशिंग स्प्रे को हेयर सेटिंग स्प्रे भी कहते हैं। इसका प्रयोग बालों में शाइन देने के लिए भी किया जाता हैं। ये बालों के फ्रिजीनेस को कम करने के लिए प्रयोग किया जाता है। अगर आप इसे बालों पर स्टाइल करने के बाद प्रयोग कर रही हैं तो इससे आपके बालों की अधिक वॉल्यूम दिखाई देती है। इसमें सिलिकॉन जैसे इंग्रीडिएंट होते हैं। जो बालों को एक स्मूथ टेक्सचर देने में मदद करता है। इसका इस्तेमाल हेयरस्टाइल को होल्ड करने के लिए भी किया जाता है।

- सपना यादव

बेहद आकर्षक लगते हैं चोकर सेट के ये डिजाइंस

तरह-तरह की ज्वेलरी खरीदना महिलाओं को बेहद पसंद होता है और इसके लिए वे आए दिन अपनी ऑटफिट के हिसाब से लेटेस्ट डिजाइन वाली आर्टिफिशियल ज्वेलरी खरीदती नजर आती हैं। बात अगर लेटेस्ट डिजाइन की ज्वेलरी की करें तो आजकल कुंदन की ज्वेलरी महिलाएं काफी पसंद करती नजर आ रही हैं।

वहीं कई महिलाएं ऐसी भी हैं, जिन्हें कामकाज के कारण अपने लिए समय ही नहीं मिल पाता है। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक हैं और शादी या पार्टी के फंक्शन के लिए चोकर के लेटेस्ट डिजाइन तलाश हैं तो इस आर्टिकल को आखिर तक जरूर पढ़ें। साथ ही बताएंगे उसे स्टाइल करने की हमारी टिप्स। आइये देखते हैं चोकर सेट के डिजाइंस।

“अगर लेटेस्ट डिजाइन की ज्वेलरी की करें तो आजकल कुंदन की ज्वेलरी महिलाएं काफी पसंद करती नजर आ रही हैं।”

● **डबल लेयर चोकर डिजाइन**

इस तरह का चोकर आप सिल्क साड़ी के साथ ट्राई कर सकती हैं। इसमें डबल लेयर के साथ पेंडेंट स्टाइल का कुंदन वर्क डिजाइन बनाया गया है। बता दें कि अगर आपका चेहरा ओवल शेप का है तो आप इस तरीके के चोकर को अपने लिए चुन लें। साथ ही छोटे साइज के इयररिंग्स भी दिए गए हैं। इस तरीके के चोकर आपको करीब 1000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएंगे।

● **पर्ल चैन कुंदन चोकर सेट**

इसमें मल्टी-लेयर वाली पर्ल चैन का इस्तेमाल किया गया है। ऐसा डिजाइन आपको करीब 600 रुपये से लेकर 900 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगा। इस तरीके का चोकर सेट आप सूट के साथ कैरी कर सकती हैं। बता दें कि अगर आपका चेहरा डायमंड शेप का है तो आप इस तरीके के चोकर सेट को चुन सकती हैं।

● **हैवी चोकर सेट**

अगर आपकी ऑटफिट मिनिमल डिजाइन की है तो आप कुछ ऐसा चोकर सेट चुन सकती हैं। ऐसा डिजाइन आपको करीब 2000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगा। बता दें कि इस तरीके का मल्टी-कलर चोकर सेट आप साड़ी या लहंगे के साथ कैरी करें। अगर आपका चेहरा गोल है तो आप पर ऐसे डिजाइन बेहद खूबसूरत नजर आएंगे।

-कल्पना शर्मा

चावल से बने इन पकवानों का करें सेवन

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की परेशानियां लेकर आता है। तेज धूप और चिलचिलाती गर्मी की वजह से शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। इसी वजह से लोग इस बदलते मौसम में अपने पहनावे से लेकर खाने तक में बदलाव कर देते हैं। इस मौसम में लोगों को अपने खान-पान का खास ध्यान रखना पड़ता है, क्योंकि तेज गर्मी में अगर कुछ थोड़ा सा इधर-उधर का खाया, तो तबियत खराब होने के हालात बनने लगते हैं। इसके अलावा कम पानी पीने या ज्यादा तला-भुना खाने से डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है। इसी वजह से ज्यादातर लोग गर्मी में हल्का भोजन करना पसंद करते हैं। अगर आप भी खाने के कुछ ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं, जो काफी हल्के हों, तो इन पकवानों को खाकर आपका मन भी खुश रहेगा।

कोरिएंडर राइस

अगर जल्दी में है, लेकिन कुछ हेल्दी और स्वादिष्ट खाने का मन है तो झटपट कोरिएंडर राइस तैयार कर सकते हैं। ये कम समय में बनने वाला स्वादिष्ट और हेल्दी विकल्प होता है। इसे आप रायते और पापड़ के साथ खा सकते हैं। धनिया चावल तैयार करते समय सबसे पहले, मसाला पेस्ट के लिए केवल ताजा हरे धनिया पत्तियां और हर्ब्स का उपयोग किया है। लेकिन आप समान मात्रा में पुदीना के पत्तों को जोड़कर आसानी से प्रयोग कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आपके पास बचे हुए चावल हैं, तो धनिया चावल जल्दी बना सकते हैं। कोरिएंडर राइस का स्वाद बढ़ाने के लिए आप इसमें बारीक कटी हरी मिर्च और करी पत्ता डाल सकते हैं।

कर्ड राइस

इस मौसम में दही खाने से पेट को काफी लाभ मिलता है। ऐसे में आप चाहें तो कर्ड राइस बना सकती हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है और इसे आप गर्मी में लंच में खा सकती हैं। ये आपके पेट को गर्मी से राहत दिलाएगा।

मिंट राइस

अगर आप भी एक जैसा पुलाव या बिरयानी खा-खाकर बोर हो गए हैं तो आज घर पर बनाएं बेहद टेस्टी, हेल्दी और झटपट तैयार होने वाला मिंट राइस। मिंट यानी पुदीने की तासीर ठंडी होती है और यह गर्मी के दिनों में बेहद फायदेमंद माना जाता है। इस मौसम में पुदीना शरीर को काफी फायदा पहुंचाता है। ऐसे में आप चाहें तो घर पर मिंट राइस बना सकती हैं। पुदीना शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करता है। इसे आप पापड़ और दही के साथ परोस सकती हैं। सबसे पहले चावल को अच्छी तह से धोकर 20 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रखें। एक ब्लेंडर में पुदीना की पत्तियां, हरी मिर्च और अदरकर को डालकर अच्छी तरह से पीस लें। अब फ्राइंग पैन को गैस पर रखें और उसमें ऑलिव ऑइल डालकर उसमें प्याज, इलायची, दालचीनी, लौंग और तेजपत्ता डालें। अब पुदीना पेस्ट और मटर के दाने डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। चावल, नमक, नींबू का रस और पानी डालकर पकाएं।चावल जब अच्छी तरह से पक जाए तो इसे सर्विंग बाउल में निकालकर पुदीने की पत्तियों से सजाकर सर्व करें।

गर्मी में मन के साथ पेट भी होगा खुश

लेमन राइस

ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। आप चाहें तो इसे रायते के साथ टिफिन में भी रखकर ले जा सकती हैं। इसमें मूंगफली और करी पत्ते की वजह से स्वाद काफी अच्छा आता है। इसी के चलते आप चाहें तो इस भीषण गर्मी में लेमन राइस तैयार कर सकते हैं। लेमन राइस में नींबू का रस होता है, जो शरीर को अच्छे से हाइड्रेट करता है। ये विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। यह शरीर को विटामिन सी प्रदान करता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाये रखने में मदद कर सकता है और त्वचा की चमक बरकरार रखने में सहायता कर सकता है। लेमन राइस में हल्दी, लहसुन और अन्य मसाले होते हैं, जो पाचन के लिए सहायक हो सकते हैं। ये मसाले डाइजेशन और पेट की परेशानियों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

हंसना मना है

एक अंकल ने एक बच्चे से पूछा- पढ़ाई कैसी चल रही है... बच्चे ने जवाब दिया - अंकल, समंदर जितना सिलेबस है, नदी जितना पढ़ पाते हैं, बाल्टी भर याद होता है, गिलास भर लिख पाते हैं, चुल्लू भर नंबर आते हैं, उसी में डूब कर मर जाते हैं..

कर्मचारी - हेलो सर, मुझे आतंकवादियों ने पकड़ लिया है, दोनों हाथ काट दिए, आंख फोड़ दी, किडनी निकाल ली... बॉस - देख ले... हो सके तो आजा, आज ऑडिट है...!!!

एक औरत ने अपनी पड़ोसन से पूछा- क्या तुम्हें ऐसा आदमी पसंद है, जिसके सारे बाल सफेद हों और डाई करके जवान बनने की कोशिश करता हो...? चार कदम चलने पर जिसकी सांस फूल जाती हो, दफ्तर से घर आकर शराब पीना शुरू कर देता हो ...! पड़ोसन - नहीं, हरगिज नहीं.... भला ऐसे मर्द को कौन औरत पसंद करेगी...! औरत - तो फिर मेरे पति के पीछे क्यों पड़ी हो...?

एक हवाई जहाज तूफान में फंस गया... पायलट बोला- किसी को बचने की दुआ आती है क्या...? एक बाबा बोले- हां, मुझे आती है...! पायलट - ठीक है बाबा, आप दुआ कीजिए, एक पैराशूट कम है...!!! बाबा बेहोश...

कहानी | श्री कृष्ण ने दिखाया ब्रह्मांड

यह बात उस समय की है जब दुष्टों को मारने और देश में धर्म की स्थापना के लिए भगवान विष्णु ने कृष्ण का अवतार लिया था। द्वापर युग की यह घटना कृष्ण भगवान के बाल जीवन से जुड़ी है, जब वह नंदगांव में मां यशोदा की देखरेख में बड़े हो रहे थे। उस समय उनके नटखट स्वभाव की चर्चा पूरे वृन्दावन में थी। एक दिन की बात है, भगवान श्री कृष्ण घर के बाहर मिट्टी के आंगन में खेल रहे थे। उसी समय उनके बड़े भाई दाऊ वहां आए और देखा कि कन्हैया मिट्टी खा रहे हैं। दाऊ ने उनकी शिकायत लेकर मां यशोदा के पास पहुंचे। दाऊ ने कहा- मां, तुम्हारा प्यारा लाला आंगन में मिट्टी खा रहा है। यह सुनते ही यशोदा मां सीधे बाल गोपाल के पास पहुंची और पूछा- लाला, तुमने मिट्टी खाई है। कान्हा बोले- नहीं, मां मैंने मिट्टी नहीं खाई। मां यशोदा को कान्हा की बात पर विश्वास नहीं हुआ और कहा- कान्हा, मुंह खोलकर दिखाओ कि तुमने मिट्टी नहीं खाई है। मां यशोदा की बात सुनकर कान्हा ने जैसे ही मुंह खोला, मैया यशोदा चौंक गई। माता को कान्हा के मुंह में मिट्टी कहीं नहीं नजर आई, बल्कि पूरा का पूरा ब्रह्मांड नजर आ रहा था। मां यशोदा को अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। अपने छोटे से कन्हैया के मुंह में उन्हें सारी सृष्टि और जगत के समस्त प्राणी नजर आ रहे थे। मां यशोदा ये नजारा ज्यादा देर तक नहीं देख सकीं और बेहोश हो गईं। जब मां यशोदा की आंखें खुलीं, तो उनके मन में बाल कृष्ण के लिए प्यार जाग रहा था। उन्होंने श्री कृष्ण को गले से लगा लिया और उनकी आंखें आंसुओं से भर गई। मां यशोदा को यकीन हो गया था कि कान्हा कोई साधारण बालक नहीं है, बल्कि वो स्वयं सृष्टि के स्वामी और परमात्मा के अवतार हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा।

तुला — बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृषभ — चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

मिथुन — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार में विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

धनु — स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

कर्क — डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

मकर — रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

सिंह — योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ — विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

कन्या — कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

मीन — मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे कोविड-19 वैक्सीन से अटैक पड़ा : श्रेयस

श्रेयस तलपड़े के लिए पिछले साल दिसंबर का महीना काफी मुश्किल भरा था। 14 दिसंबर 2023 को उन्हें अचानक बैचेनी महसूस हुई। हॉस्पिटल पहुंचे तो पता चला कि उन्हें हार्ट अटैक आया है। हार्ट अटैक के बाद एक्टर की एंजियोप्लास्टी की गई थी। हालांकि, अब वो बिल्कुल ठीक हैं। समय पर दवाइयां ले रहे हैं और सेहत का खास ख्याल रख रहे हैं। लेकिन एक्टर ने अब चौंकाने वाला दावा किया है। उनका कहना है कि उनके हार्ट अटैक का ताल्लुक कोविड-19 वैक्सीन से है। एक लेटेस्ट इंटरव्यू में श्रेयस तलपड़े ने अपने हार्ट अटैक पर बात की है। इस दौरान उन्होंने एक शॉकिंग दावा किया। एक्टर ने कहा कि वो इस बात को नकार नहीं सकते कि कोविड-19 वैक्सीन का उनके हार्ट अटैक से कोई लेना-देना नहीं है। एक्टर ने कहा- मैं सिर्फ महीने में एक बार ही ड्रिंक करता हूं। तंबाकू नहीं लेता। हां, मेरा कोलेस्ट्रॉल का लेवल थोड़ा हाई था। लेकिन मुझे बताया गया था कि आज के टाइम वो नॉर्मल है। मैं उसके लिए मेडिकेशन ले रहा था और उससे वो कम हो गया था। एक्टर आगे बोले-मुझे डायबिटीज नहीं है, ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम नहीं है, तो फिर हार्ट अटैक आने का क्या कारण हो सकता है? एक्टर ने आगे सवाल करते हुए कहा- अगर इतना ध्यान रखने के बाद ये हो सकता है तो फिर इसका कारण कुछ और ही है। मैं इस थ्योरी को नकारूंगा नहीं। कोविड-19 वैक्सीन के बाद से ही मुझे कुछ थकावट महसूस होने लगी थी। इसमें कुछ तो सच्चाई है और हम इसे नकार नहीं सकते। हो सकता है कि यह कोविड या फिर वैक्सीन की वजह से हो, लेकिन हार्ट अटैक का आना इससे जुड़ा हुआ है। श्रेयस तलपड़े को जबसे अंदेशा हुआ कि उनके हार्ट अटैक का ताल्लुक कोविड वैक्सीन से जुड़ा है, तब से वो इस बारे में और ज्यादा रिसर्च करने को इच्छुक हैं एक्टर ने कहा- यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि हम वाकई में नहीं जानते कि हमने अपनी बॉडी के अंदर क्या डाला है।

फिर तहलका मचाने को तैयार मनोज बाजपेई

द फैमिली मैन-3 की शूटिंग की शुरू

प्राइम वीडियो ने अपनी पॉपुलर ओरिजिनल सीरीज द फैमिली मैन के मच अवेटेड तीसरे सीजन की शूटिंग शुरू करने की घोषणा कर दी है। राज एंड डीके की अनोखी जोड़ी द्वारा बनाई गई सीरीज, उनके बैनर डी2आर फिल्म्स के तले बनाई गई है, इस क्रिटिकली एक्लेम्ड एक्शन थ्रिलर ने दुनिया भर के दर्शकों को थ्रिल कर दिया था।

ऐसे में जब से सीजन 2 खत्म हुआ है, तब से इसकी एक बड़ी फैन फॉलोइंग देखने मिल रही है। सीजन 3 जो फिलहाल प्रोडक्शन में है। इस सीजन में भी मनोज बाजपेयी एक बार फिर से श्रीकांत तिवारी के आइकॉनिक किरदार को निभाएंगे, जो एक मिडल क्लास आदमी और वर्ल्ड क्लास स्पाई है।

आने वाले सीजन में, श्रीकांत को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मुश्किल खतरे से अच्छी तरह से निपटते हुए देखेंगे, साथ ही पारिवारिक जीवन की जिम्मेदारियों को भी संभालते हुए। वह अपनी पत्नी के साथ अपने रिश्ते को सुधारने के लिए भी बहुत सारी कोशिश करते नजर आयेगा। जैसे-जैसे श्रीकांत समय के उलट दौड़ लगाता है, स्थिति और ज्यादा गंभीर होती जाती है, क्योंकि उसे एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराना है साथ ही अपने देश और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा भी करनी है।

राज एंड डीके द्वारा क्रिएटेड और डायरेक्टेड, सुमन कुमार और राज एंड डीके द्वारा लिखित, मच अवेटेड तीसरे सीज़न में कई ओरिजनल कास्ट मेंबर्स वापस नजर आएंगे, जिनमें प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अश्लेषा ठाकुर (धृति तिवारी), वेदांत सिन्हा (अथर्व तिवारी) का नाम शामिल हैं। फैंस शो में नए कलाकारों को शामिल होते हुए देख सकते हैं, जो कुछ रोमांचक लेकर आएंगे।

फिल्म इंडस्ट्री में उचित इज्जत नहीं मिलने पर दुखी है अलाया एफ

साल 2020 में फिल्म आई थी जवानी जानेमन। इस फिल्म से एक्ट्रेस पूजा बेदी की बेटी अलाया एफ ने डेब्यू किया था। इसके बाद अलाया को काफी कमर्शियल काम मिला। कुछ अच्छे कॉन्टेंट वाले भी प्रोजेक्ट्स ऑफर हुए। अब अलाया को इंडस्ट्री में आए 4 साल हो गए हैं। धीरे-धीरे करके ही अलाया फिल्म इंडस्ट्री में आगे बढ़ रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अलाया ने अपनी जर्नी पर रोशनी डाली।

एक इंटरव्यू में अलाया ने अपनी एक इच्छा जाहिर की। वो ये कि वो वही इज्जत डिजर्व करती हैं जो बाकी के सेलिब्रिटीज को इंडस्ट्री में मिलती है। अलाया से पूछा गया कि वो किस तरह का बदलाव इंडस्ट्री में देखती हैं। इसपर एक्ट्रेस ने कहा- मैं बस वही इज्जत चाहती हूं जो बाकी के सेलेब्स को मिलती है। किसी को ज्यादा पैसे क्यों मिलते हैं, हमें क्यों नहीं मिलते। हमें ही पैसे क्यों कम ऑफर होते हैं। किसी को वैनिटी वैन बड़ी मिलती है। कोई लग्जूरियस होटल में रुकता है। लेकिन ये इज्जत हमें तो नहीं मिलती। मैं यंग हूं, न्यू हूं, मुझे फर्क नहीं पड़ता कि कौन छोटा है कौन बड़ा है। कोई महिला है या पुरुष, मैं इन चीजों पर ध्यान नहीं देती हूं, लेकिन मुझे इज्जत चाहिए। कोई क्यों इस फील्ड में किसी से तहजीब से बात नहीं कर सकता है। ये तो एक बेसिक इज्जत होती है जो आप किसी को भी देते हैं। मेरे साथ कितनी बार हुआ है कि मुझे जल्दी बुला लिया गया और एक्टर 4 घंटे लेट आया। मुझे ये क्यों नहीं बताया गया। जब एक्टर लेट हैं तो आपने मुझे जल्दी बुलाकर क्या ही कर लिया।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | सिलिकोसिस नाम की बीमारी से ग्रसित हो जाते हैं खदान मजदूर

इसे कहा जाता है विधवाओं का गांव

भारत में शादियों को काफी महत्व दिया जाता है। लोग अपने घर की बेटियों को काफी छानबीन कर दूसरे घर भेजते हैं। इस बात का खास ध्यान रखा जाता है कि दूसरे घर में बेटी को किसी तरह की कोई तकलीफ ना हो। ऐसे में हम आपको राजस्थान के एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां शायद ही कोई मां-बाप अपनी बेटी की शादी करवाना चाहेगा। इस गांव में ब्याह कर आने वाली ज्यादातर महिलाएं कुछ महीने बाद ही विधवा हो जाती हैं।

राजस्थान के बूंदी जिले में स्थित बुधपुरा गांव को विधवाओं का गांव भी कहा जाता है। जी हां, इस गांव में रहने वाली ज्यादातर महिलाएं विधवा हैं। चूंकि, शादी के कुछ ही समय बाद इनके पतियों की मौत हो जाती है, ऐसे में ज्यादातर के पास अपने छोटे से बच्चे को पालने की बड़ी जिम्मेदारी भी होती है। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इनके पति की मौत कैसे हो जाती है? आइये आपको इस बात का जवाब बताएं। अगर आपको ऐसा लग रहा है कि इस गांव पर किसी का श्राप है या किसी रहस्यमई वजह से यहां के मर्दों की मौत हो जाती है तो आप गलत हैं। कई रिपोर्ट्स के बाद ये साफ हो चुका है कि यहां के मर्दों की मौत सिलिकोसिस नाम की बीमारी से होती है।

दरअसल, इस गांव के ज्यादातर मर्द खदानों में काम करते हैं। इसके अंदर काम करने वालों को ये बीमारी हो जाती है। समय पर सही इलाज ना मिल पाने की वजह से इनकी मौत हो जाती है। गांव की ज्यादातर विधवा महिलाओं को किसी तरह की कोई मदद नहीं मिलती। ऐसे में अपना और अपने परिवार का पेट पालने के लिए ये भी उसी खदान में काम करने को मजबूर होती हैं। इन खदानों में कई-कई घंटे बलुआ पत्थरों को तोड़ने का काम किया जाता है। इन पत्थरों को तराशने के दौरान जो डस्ट निकलता है, वो मजदूरों के फेफड़ों में संक्रमण कर देता है। अगर इलाज हो गया तो उनकी जान बच जाती है। वरना मौत तय है।

ये है दुनिया का सबसे बड़ा चूहा, बारूदी सुरंग को सूंघने में है पूरी तरह सक्षम

दुनिया में आपने बड़े चूहों के बारे में खूब सुना होगा, पर क्या आपने ऐसे चूहे के बारे में सुना है जो बिल्ली जितने लंबे होते हैं। जी हां, गैम्बियन पाउच रैट प्रजाति वाला चूहा दुनिया का सबसे बड़ा चूहा है। हैरानी की बात लगती है, लेकिन दुनिया में बहुत से लोग हैं इस तरह के चूहों को पालने का शौक रखते हैं। अक्सर पालतू जानवरों के रूप में रखे जाने वाले ये विशाल जानवर चौंकाने वाले, प्यारे और समान रूप से थोड़े गंभीर होते हैं। मूल रूप से इन चूहों को बारूदी सुरंगों को सूंघने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। लेकिन अमेरिका के फ्लोरिडा में इनका आतंक है। इनकी आबादी के बढ़ने की आशंका को देखते हुए इन्हें खत्म किया जा रहा है। टेक्सास इनवेसिव स्पीशीज़ इंस्टीट्यूट की वेबसाइट के अनुसार विशाल चूहा, जो एक छोटी घरेलू बिल्ली के बराबर है, फ्लोरिडा कीज में अपने नए घर के लिए पारिस्थितिक खतरा पैदा करता है। गैम्बियन चूहा गाल की थैलियों में अनाज और भोजन जमा करने की क्षमता के कारण अन्य कुतरने वाले जानवरों से अलग होता है। इससे एक समय में भोजन की अधिक खपत होती है और फसलों को नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है। अब तक उन्हें केवल एक विशेष द्वीप, ग्रासी की पर प्रजनन के लिए जाना जाता है, लेकिन उनके पास कीज़ के पुलों के साथ यात्रा करने की गुंजाइश है और वे सब्जियां, कीड़े, केकड़े, घोंघे, ताड़ की गुठली और ताड़ के फल बड़े पैमाने पर भूख से खाने के लिए जाने जाते हैं। टेक्सास इंस्टीट्यूट के अनुसार, 'ग्रासी की' पर सभी आबादी आठ गैम्बियन चूहों से उपजी है जिन्हें एक विदेशी पशु प्रजनक द्वारा गलती से छोड़ दिया गया था। संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, आबादी को खत्म करने के प्रयास किए जा रहे हैं क्योंकि वे प्रमुख पुलों को पार कर सकते हैं और मुख्य भूमि फ्लोरिडा की ओर बढ़ सकते हैं। वहीं क्रूगर नेशनल पार्क के अनुसार, अफ्रीका के कुछ हिस्सों में चूहों को बारूदी सुरंगों को सूंघने का प्रशिक्षण दिया गया है। कुत्तों की तुलना में उन्हें प्रशिक्षित करना आसान होता है और रखना सस्ता होता है। पार्क ने यह भी कहा कि जिन जगहों पर कूड़े की अधिकता है, वहां रिपोर्टों में दावा किया गया है कि विशाल चूहों की प्रजातियां मानव शिशुओं को खाने के लिए जानी जाती हैं।